अंतर्महाविद्यालय निबंध लेखन प्रतियोगिता

दिनांक 21 फरवरी, 2018 को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ. के संभाग–I के सभागार में संस्कृत साहित्य परिषद के तत्वाधान में शीर्षक–नारी शिक्षा के महत्व पर अंतर्महाविद्यालय निबंध लेखन प्रतियोगिता का अयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता, प्राचार्य, अग्रवाल महाविद्यालय रहे । इस प्रतियोगिता में जिला पलवल व फरीदाबाद के पाँच महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया । यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता के कुशल नेतृत्व में हुआ । विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक निबंध लिखकर अपने विचार प्रस्तुत किये । प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा –

प्रथम – नगीना (बी.ए. प्रथम वर्ष) अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़

द्वितीय – राधा (बी.ए. द्वितीय वर्ष) के.एल.मेहता दयानन्द महाविद्यालय, फरीदाबाद

तृतीय – रवीन्द्र (बी.ए. तृतीय वर्ष) डी.ए.वी. शताब्दी महाविद्यालय, फरीदाबाद

सान्त्वना पुरस्कार – नीलम (बी.ए. द्वितीय वर्ष) सरस्वती महिला महाविद्यालय, पलवल
प्रियंका (बी.ए. तृतीय वर्ष) अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़

कार्यक्रम की अध्यक्षता इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. जयपाल सिंह ने की । मुख्य अतिथि महोदय डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए बताया कि बिना नारी हम राष्ट्रोत्थान की कल्पना नहीं कर सकते । नारी महत्व को स्पष्ट करते हुए कहा कि नारी ही एकमात्र ऐसा वृक्ष है जो वृद्धि प्राप्त कर उखाड़ने के बाद भी दूसरे प्रांगण में अच्छे से फलता–फूलता है, साथ ही बताया कि नारी तो हमेशा से ही शिक्षित रही है, आज के समय में नारी को नहीं बल्कि नर को शिक्षित करने की अधिक आवश्यकता है । इस प्रकार के कार्यक्रमों द्वारा विद्यार्थियों में मौलिकता, रचनात्मकता आदि भावनाएं अंकुरित होती है । इस प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डॉ. दिव्या त्रिपाठी ने निभाई । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमती किरण आनन्द और डॉ. विनोद राठी का भरपूर सहयोग रहा । अंत में संस्कृत विभागाध्यक्षा डॉ. पूजा सैनी ने सभी का धन्यवाद किया ।